दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम दिनांक
01.	एम ए एच डी – 07	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर	31.03.2019
02.	एम ए एच डी – 08		
03.	एम ए एच डी – 09		
04.	एम ए एच डी – 10		
05.	एम ए एच डी – 11		
06.	एम ए एच डी – 12		

- अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

पुरन्दरदास
पाठ्यक्रम संयोजक

दिनांक : 14.11.2018

दूर शिक्षा निदेशालय
एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य
दिशा-निर्देश

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01–01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठयचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा – **हिन्दी पत्रकारिता** पाठ्यचर्या के लिए विकल्प – 01, पाठ्यचर्या का शीर्षक – हिन्दी पत्रकारिता, पाठ्यचर्या कोड – MAHD – 11 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिमदिनांक से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।

*****

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करनाहै। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है ! आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन :-

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। तदनन्तर सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए। साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।
02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।
03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है। पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-

पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :--

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक- 01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षक लिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ॰ न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य, एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010** अवश्य लिखिए।

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – I

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 07 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 07

पाठ्यचर्या का शीर्षक : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. निर्गुण सन्त कवियों की 'अणभै वाणी' का अनुशीलन करते हुए बाह्याचार-खण्डन से सम्बन्धित एक काव्य-संकलन तैयार कीजिए जिसमें तीर्थादि भ्रमण, पर्वस्नान, उपवास-रोजा, मूर्ति-पूजा, विवि-विधान और नाना भाँति के बाह्याडम्बरों की व्यर्थता सिद्ध की गई है।
2. "सूरदास के काव्य में जितनी सहृदयता एवं भावुकता है, प्रायः उतनी ही चतुरता और वाग्विदग्धता भी।" भ्रमरगीत से उपयुक्त उद्धरण देते हुए उक्त कथन की मीमांसा कीजिए।
3. तुलसीदास के राम का स्वरूप-विश्लेषण करते हुए कबीर के राम और तुलसी के राम में साम्य और वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।
4. केशवदास की प्रसिद्धि मुख्यतः 'रामचन्द्रिका' के संवादों के कारण ही है। 'रामचन्द्रिका' में वर्णित प्रमुख संवादों का नामोल्लेख कीजिए। ऐसे संवादों का एक संकलन तैयारकीजिए जिनसे केशव की वाक्चातुरी, व्यवहारकुशलता, व्यंग-शक्ति और भाषाधिकार की सूचना मिलती है।
5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार सुन्दरदास ने "और निर्गुण कवियों के समान लोकधर्म की उपेक्षा नहीं की है।" आचार्य शुक्ल के उक्त कथन के परिप्रेक्ष्य में सुन्दरदास के काव्य में लोकधर्म के विविध पक्षों से सम्बन्धित छन्दों की पड़ताल कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – II

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 08 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 08

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. एकांकी नाटक की क्रमिक विकास-यात्रा का परिचय देते हुए एकांकीकार के रूप में डॉ॰ रामकुमार वर्मा के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
2. अभिनय का स्वरूप स्पष्ट करते हुए नाट्यशास्त्र में उल्लिखित अभिनय के चारों प्रकारों को विस्तारपूर्वक समझाइए।
3. 'अन्धेर नगरी' समसामयिक सन्दर्भों का जीवन्त नाटक है। उसकी सांकेतिकता एवं प्रासंगिकता को रेखांकित कीजिए।
4. जयशंकर प्रसाद हिन्दी नाटक की अभिजात साहित्यिक गरिमा के प्रतिष्ठापक हैं। प्रसाद-विरचित नाटकों का परिचय दीजिए और उनके नाट्य साहित्य का अवदान प्रतिपादित कीजिए।
5. 'अन्धा युग' में अभिव्यक्ति का मुख्य साधन भाषा ही है जो प्राचीनता का परिवेश भी बखूबी रचती है और साथ ही समकालीन जीवन-बोध से जुड़ते हुए प्रासंगिक मूल्यों की पूरी अर्थवत्ता और असर को बनाए रखती है। इसी प्रकार 'अन्धा युग' में काव्य और नाटक के तत्त्वों की अन्विति की दिशा परम्परा से निकलकर आधुनिकता की ओर जाती है। नाट्य-शिल्प, प्रयोगधर्मिता और नाट्यभाषा की दृष्टि से 'अन्धा युग' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – III

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 09 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 09

पाठ्यचर्या का शीर्षक : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. लोंजाइनस के अनुसार औदात्य वाणी का उत्कर्ष, कान्ति और वैशिष्ट्य है जिसके कारण महान् कवियों, इतिहासकारों दार्शनिकों को प्रतिष्ठा, सम्मान और ख्याति प्राप्त हुई है क्योंकि इसी से उनकी कृतियाँ गरिमामय बनी हैं और उनका प्रभाव युग-युगान्तर तक प्रतिष्ठित हो सका है । काव्य में उदात्त मूल्यों का पक्ष लेने वाले लोंजाइनस के काव्य-सिद्धान्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'अभिव्यंजना सिद्धान्त' को 'भारतीय वक्रोक्तिवाद का विलायती उत्थान' कहा है । क्या इन दोनों मतों को एक ही कोटि में रखना तर्कसंगत है ? उक्त दोनों सिद्धान्तों के साम्य तथा वैषम्य को स्पष्ट करते हुए अपना मत रखिए।
3. आई. ए. रिचर्ड्स ने मनोविज्ञान के सहारे काव्य के भावपक्ष की व्याख्या की तथा काव्य के मनौवैज्ञानिक मूल्य का सिद्धान्त प्रस्तुत किया । उनके द्वारा प्रस्तुत 'मनौवैज्ञानिक मूल्य का सिद्धान्त' की मान्यताओं की विस्तारपूर्वक मीमांसा कीजिए।
4. फ्रांस की 1789 में हुई राज्यक्रान्ति पश्चिम में मानवीय मुक्ति और मानव के नवीन अभ्युदय की दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह साहित्य, कला एवं चिन्तन में क्रान्ति की भी सूचक है। इसी को स्वच्छन्द, मुक्त और उदार धारा का प्रस्तोता भी कहा जाता है। 'स्वच्छन्दतावाद' की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा के प्रतिमानों को व्याख्यायित कीजिए।
5. साहित्य में 'उत्तरआधुनिकतावाद' के तत्त्वों की 'आधुनिकतावाद' के तत्त्वों से भिन्नता प्रदर्शित करते हुए उत्तरआधुनिक रचनाओं में प्रस्तुत विषय-वास्तु (थीम्स) और तकनीकों को विश्लेषित कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – IV

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 10 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 10

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – II

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. रीतिकालीन साहित्य की प्रेरक शक्तियों और परिस्थितियों का विवेचन कीजिए तथा यह स्पष्ट कीजिए कि इन परिस्थितियों से उद्भूत यह साहित्य किस स्तर का है।
2. हिन्दी कविता में आधुनिकता का क्या आशय है ? आधुनिककाल का प्रारम्भ कब से माना जाता है ? इस काल के लिए कौन-कौनसी परिस्थितियाँ और शक्तियाँ प्रेरणा बनकर आयीं ? विस्तारपूर्वक समझाइए।
3. द्विवेदीयुगीन ज्ञानात्मक लेखन की एक सूची बनाकर उस पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।
4. छायावाद-युगीन हिन्दी गद्य-साहित्य का परिचय दीजिए।
5. प्रवासी लेखक अनेक बार स्वदेश-परदेश के द्वन्द्व में जीता है और नयी-नयी अनुभूतियों, तनावों और विसंगतियों से गुजरता है। फलतः उसकी रचना में नये भाव-बोध, नया दृष्टिकोण तथा नये जीवनमूल्यों की सर्जना होती है। हिन्दी को इस प्रकार एक नये प्रकार का साहित्य मिलता है जो भारत में रहते हुए नहीं रचा जा सकता था। भारतेतर देशों में भारतवंशियों के हिन्दी साहित्य ने अपना एक भरा-पूरा संसार निर्मित किया है और हिन्दी को वैश्विक रूप प्रदान किया है। इस प्रवासी हिन्दी साहित्य ने अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है, क्योंकि वह अपनी संवेदना, सरोकार, जीवनमूल्यों एवं रूप-रचना में अपनी अलग विशिष्टता रखता है। प्रवासी हिन्दी साहित्य का वैशिष्ट्य निरूपित करते हुए प्रमुख प्रवासी रचनाकारों एवं उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – V (विकल्प – 01)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 11 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – 01

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 11

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी पत्रकारिता

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिन्दी पत्रकारिता के विकास की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं की सूची तैयार कीजिए।
2. हिन्दी पत्रकारिता के विकास व विस्तार में गैर हिन्दीभाषी राज्यों के प्रयासों को उद्घाटित कीजिए।
3. बाबू भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की पत्रकारिता के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को निरूपित कीजिए।
4. हिन्दी के समकालीन पत्रकारों में से कम-से-कम दस ऐसे पत्रकारों एवं उनके उल्लेखनीय कार्यों की सूची बनाइए जिन्हें आप 'हिन्दी पत्रकारिता के गौरव' से सम्मानित करना चाहेंगे।
5. अपने क्षेत्र में होने वाली उन गतिविधियों की एक सूची बनाइए जिन पर एक दैनिक हिन्दी समाचारपत्र के लिए रिपोर्टिंग की जा सकती हो।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – V (विकल्प – 02)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 12 **अधिकतम अंक : 30%**

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – 02

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 12

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिन्दी में विकसित किए जा रहे सॉफ्टवेयर्स को अध्ययन की दृष्टि से कितने भागों में विभक्त किया जा सकता है ? प्रमुख सॉफ्टवेयर्स का विस्तृत विवेचन कीजिए।
2. वेब डिज़ाइनिंग से क्या आशय है ? एक सामान्य वेबसाइट के मूल आकार तथा उसमें प्रयुक्त तकनीक को विस्तारपूर्वक समझाइए।
3. अपने क्षेत्र के किसी ऐतिहासिक स्थल के बारे में हिन्दी विकिपीडिया पर जानकारी खोजिए। यदि लेख उपलब्ध न हो तो विश्वसनीय स्रोतों (पुस्तक / वेबसाइट) का सन्दर्भ-रूप में प्रयोग करते हुए नया लेख बनाइए। यदि हिन्दी विकिपीडिया पर उससे सम्बन्धित लेख पहले से उपलब्ध है तो उसे सम्पादित करके आप उसमें कौन-कौनसी नवीन जानकारियाँ जोड़ना चाहेंगे। उन नूतन सूचनाओं को लेख में संयुत करते हुए अन्तिम रूप से सम्पादित एक नया आलेख तैयार कर प्रस्तुत कीजिए। और साथ ही, विकिपीडिया पर नया लेख बनाने की प्रक्रिया भी समझाइए।
4. ई-लर्निंग के स्वरूप की सविस्तार चर्चा कीजिए।
5. राजभाषा हिन्दी के विकास में सहयोगी कंप्यूटरकृत हिन्दी भाषा के फ़ॉण्ट्स की सूची बनाइए और उनका मूल्यांकन कीजिए।

*****

परिशिष्ट- 01

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

›

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्यचर्या का शीर्षक :

.....

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

नामांकन संख्या:

पत्राचार पता :

मोबाइल नं. :

ई-मेल :

.....

सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान :

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

*****